पंजीकृत संख्या 72/54–55
Web site: www.rssrashtriya.org

।। वन्दे मातरम् ।।

Tel. 0141-2377799
E- mail: rss.rashtriya@gmail.com

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय : 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर–302 001
संरक्षक : सर्वश्री नानक कुन्दनानी, संतोष चन्द्र सुराणा, श्यामसुन्दर शर्मा, चौथमल सनाढ्य, राजनारायण शर्मा, उमराव लाल वर्मा
(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I.) & राज. राज्य कर्मचारी महासंघ

रामावतार शर्मा
अध्यक्ष
मो. 9166616080

महावीर प्रसाद सिंहल
समाध्यक्ष
मो. 9413135215

देव लाल गोचर
महामंत्री
मो. 9414403756

प्रेस – विज्ञप्ति

शिक्षकों ने विशाल रैली निकालकर अपना आक्रोश जताया

जयपुर, 28 अगस्त 2015 – राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) से सम्बद्ध हजारों शिक्षकों ने आज राजधानी जयपुर में एकत्रित होकर सरकार के मनमानीपूर्ण निर्णयों के विरोध में रैली निकाली। रैली रामनिवास बाग के पिछले द्वार से रवाना होकर आरोग्य पथ, सूचना केन्द्र, महारानी कॉलेज, अशोक मार्ग, सरोजनी मार्ग, होटल पार्क प्राईम होते हुए उद्योग मैदान पहुँची। रैली का अग्रिम छोर जब होटल पार्क प्राईम पर पहुँचा तब अन्तिम छोर रामनिवास बाग के पिछले द्वार पर ही था। रैली बाद में उद्योग मैदान पहुँचकर सभा में परिवर्तित हो गई।

प्रदेश महामंत्री देवलाल गोचर ने बताया कि विद्यालयों के समय में की गई वृद्धि वापस लेने, स्टाफिंग पैटर्न की विसंगतियों को दूर करने, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद को यथावत रखने, वर्ष 2012 में नियुक्त शिक्षकों को स्थायी कर उन्हें नियमित वेतन देने, प्रतिबन्धित जिलों के शिक्षकों के स्थानान्तरण उनके इच्छित जिलों में करने, वरिष्ठ अध्यापकों को 01.07.2013 से देय संशोधित ग्रेड–पे की विसंगतियों को दूर करने सहित संगठन के दस सूत्रीय माँग पत्र के समर्थन में प्रदेशभर के हजारों शिक्षकों ने अपना असन्तोष व्यक्त करते हुए रैली में भाग लिया।

प्रदेशाध्यक्ष रामावतार शर्मा ने रैली को सम्बोधित करते हुए कहा कि संगठन ने सरकार से विभिन्न अवसरों पर संवाद कर शिक्षकों के आक्रोश के बारे में अवगत कराया लेकिन सरकार ने संगठन के इस शालीनतापूर्ण व्यवहार को संगठन की कमजोरी मानकर अनसुना कर दिया। इसी का परिणाम है कि आज हजारों शिक्षकों को संघर्ष के लिये सड़क पर उतर कर शंखनाद किया है।

रैली को सम्बोधित करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री प्रहलाद शर्मा ने कहा कि सरकार की पीपीपी की नीति निजीकरण को प्रोत्साहन देने वाला कदम है। इससे सरकारी क्षेत्र में शिक्षक के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगने वाला है। शर्मा ने 6–7 वर्षो तक सरकार की आवश्यकता के समय वरिष्ठ अध्यापको से माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक पद पर बेगाार लेकर अब उन्हें पदावनत करने के निर्णय को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

संरक्षक राजनारायण शर्मा ने कहा कि सरकार चाहे किसी की हो–राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) ही एकमात्र शिक्षकों का ऐसा एकमात्र संगठन है जिसने एक तरफ सरकार के शिक्षक हित के निर्णयों की सराहना की है वहीं दूसरी ओर शिक्षक अहित के हर निर्णय को नकारते हुए सरकार को निर्णय बदलने के लिये बाध्य किया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण गत सत्र में हुए एकीकरण/समानीकरण है। संगठन के विरोध के कारण ही सरकार को अपने निर्णय पर पुनः विचार करना पड़ा। विभाग के इतिहास में पहली बार हुआ कि लगातार 4 माह से विभाग का प्रत्येक कर्मचारी–सहायक कर्मचारी से लेकर प्रधानाचार्य तक इस बात से आशंकित रहा है कि कब उसका नाम स्थानान्तरण अथवा स्टाफिंग पैटर्न की सूची में आ जाये और उसे दूरस्थ जाना पड़े। इस वजह से शिक्षण कार्य बाधित रहा और अब तक पटरी पर नहीं लौट पाया है।

प्रदेश सभाध्यक्ष महावीर प्रसाद सिंहल ने कहा कि शिक्षा विभाग में स्थानान्तरण एवं समानीकरण के नियम नहीं होने के कारण आज अराजकता की स्थिति हो गई है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द व्यास ने कहा कि शिक्षा विभाग ने गत परम्पराओं व निर्णयों की धज्जियाँ उड़ाते हुए वरिष्ठ या कनिष्ठ को ध्यान में रखें बिना मनमर्जी से शिक्षकों को हटाया तथा लगाया। इससे एक स्थान पर एक पद या विषय पर एक से अधिक शिक्षक/संस्था प्रधान लगने से विद्यालयों में व्यवस्था की बजाय अव्यवस्था हो गई।

माध्यमिक शिक्षा उपाध्यक्ष नवीन शर्मा ने बताया कि संगठन ने अप्रैल माह में तहसील व जिला स्तर पर धरना/प्रदर्शन कर सरकार से अपने अविवेकपूर्ण निर्णयों पर पुनः विचार करने का आग्रह किया था। संगठन ने 23 से 25 जुलाई 2015 तक राज्य के जनप्रतिनिधियों तथा 27 जुलाई 2015 को जिला मुख्यालयों पर प्रदेशव्यापी प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री के नाम पर ज्ञापन सौंप कर शिक्षकों के आक्रोश से सरकार को अवगत कराया था परन्तु इन सब के बावजूद संगठन की अनदेखी कर शिक्षक को आज सड़क पर उतरने के लिए विवश किया।

जयपुर संभाग उपाध्यक्ष बसन्त जिन्दल ने कहा कि संगठन का इतिहास रहा है कि वह जब आन्दोलन करता है तो बिना निर्णायक स्थिति में पहुँचे अपने कदम नहीं रोकता। तात्कालिक सरकार ने जब छठा वेतनमान लागू करने की घोषणा की थी तथा सारा कर्मचारी जगत घोषणा का जश्न मना रहा था तब यही संगठन था जिसने उन आदेशों का विश्लेषण कर शिक्षकों को केन्द्र की तुलना में हो रही हानि को रेखांकित कर संघर्ष का शंखनाद किया था।

चूरू सम्भाग उपाध्यक्ष सम्पत सिंह ने कहा कि संगठन का विराट स्वरूप एवं शक्ति दिखाने के लिये शिक्षकों को मजबूरन सड़क पर आना ही पड़ा। अव्यवस्थाओं, अनियमितताओं को ठीक करवाना जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक यह भी सुनिश्चित करना है कि आने वाली कोई भी सरकार इसको परम्परा मानकर शिक्षक के हितों पर कुठाराघात करने का दुस्साहस नहीं कर सके।

इस अवसर पर रैली को संरक्षक–सर्व श्री नानक कुन्दनानी, श्याम सुन्दर शर्मा, चौथमल सनाढ्य, उमराव लाल वर्मा, उपाध्यक्ष–देवकीनन्दन सुमन, जगदीश प्रसाद चौधरी, संजय शर्मा, शिव दत्त आर्य, पन्ना लाल शर्मा, बिरधीचन्द वैष्णव, महेन्द्र सिंह, भंवर काला, राजकमल लौहार एवं श्रीमती रतन डामोर तथा सह–संगठन मंत्री–रामबाबू शर्मा, सुन्दर लाल जैन, नत्थाराम रिणवां, श्रीमती इन्द्रा शर्मा आदि ने भी सम्बोधित किया।

सादर प्रकाशनार्थ

(अशोक कुमार शर्मा)
प्रदेश संयुक्त मंत्री